

भारत में पर्यटन क्षेत्र का भविष्य

यह एडिटरियल 27/09/2022 को 'द हट्टि' में प्रकाशित "Pitching India as a signature destination" लेख पर आधारित है। इसमें हाल में जारी 'धर्मशाला घोषणा-पत्र' और भारत में पर्यटन क्षेत्र के भविष्य के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

पर्यटन का आर्थिक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में उभार हुआ है। यह सबसे तेज़ी से आगे बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में से एक है और इसका व्यापार, रोज़गार सृजन, निवेश, अवसंरचना विकास एवं सामाजिक समावेशन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

- पर्यटन कोविड-19 महामारी से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र रहा है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UN World Tourism Organisation-UNWTO) के अनुसार वर्ष 1950 में रिकॉर्ड रखे जाने के आरंभ बाद से यह अब तक का सबसे गंभीर संकट रहा है जिसका सामना अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को करना पड़ा है।
- कोविड-19 से गुज़रने के बाद भारत में पर्यटन क्षेत्र के लिये सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखते हुए पहले की तरह की गतिविधियों को बहाल करना एक बड़ी चुनौती है। यह संकट ऐसे संकटों के दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करने और पर्यटन भविष्य की पुनर्कल्पना करने के साथ ही सरकार के सभी स्तरों और नज़ी क्षेत्र में समन्वित कार्रवाई करने का एक अवसर प्रदान कर रहा है।

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थिति

- विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद (World Travel and Tourism Council) की वर्ष 2021 की रिपोर्ट में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में योगदान के मामले में भारत के पर्यटन को 10वें स्थान पर रखा गया है।
- वर्ष 2021 तक की स्थिति के अनुसार, [यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची](#) में भारत के 40 स्थल (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मशरूति) सूचीबद्ध हैं।
- [धोलावीरा](#) और [रामपपा मंदिर](#) इस सूची में शामिल नवीनतम स्थल/समारक हैं।
- वित्त वर्ष 2020 में पर्यटन क्षेत्र में कुल 39 मिलियन रोज़गार अवसर सृजित हुए जो देश के 8% रोज़गार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्ष 2029 तक यह 53 मिलियन नौकरियों के लिये उत्तरदायी होगा।

भारत में पर्यटन से संबंधित हाल की प्रमुख पहलें

- [स्वदेश दर्शन योजना](#)
- [राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2022 का मसौदा](#)
- [देखो अपना देश पहल](#)
- राष्ट्रीय हरित पर्यटन मशिन

भारत में पर्यटन क्षेत्र से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ

- **प्रशिक्षण और कौशल विकास का अभाव:** चूँकि पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है, इसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गुज़रते समय के साथ प्रशिक्षित श्रमशक्त की उपलब्धता का भारत में पर्यटन क्षेत्र के तीव्र विकास के साथ तालमेल नहीं रह सका है।
 - बहुभाषी प्रशिक्षित गाइडों की सीमित संख्या और स्थानीय लोगों में पर्यटन से जुड़े लाभों एवं ज़िम्मेदारियों की अपर्याप्त समझ के कारण इस क्षेत्र का विकास बाधित रहा है।
- **पर्यटन संभावना का न्यून-उपयोग:** भारत में ऐसे कई स्थान/क्षेत्र मौजूद हैं जो सर्वेक्षणों, अवसंरचना और कनेक्टिविटी की कमी के कारण अभी भी अनन्वेषित (unexplored) ही हैं। घरेलू पर्यटन के प्रति उदासीन रवैया भी इसका एक परिणाम है।
 - उदाहरण के लिये पूर्वोत्तर भारत की आकर्षक प्राकृतिक सुंदरता के बावजूद देश के बाकी हिस्सों के साथ कनेक्टिविटी की कमी के साथ ही

